बेबाक बोल

विकास का विरोधाभास और 2026 की अग्निपरीक्षा

राजू पटेल

खंडवा। नववर्ष 2026 की दस्तक के साथ खंडवा एक ऐसे चौराहे पर खड़ा है, जहाँ एक दिशा में जलसंरचनाओं में 'राष्ट्रीय गौरव' की चमक है तो दूसरी ओर आमजन की 'जमीनी पीड़ा' का अंधेरा। बीता वर्ष 2025 जिले के लिए उपलब्धियों और विफलताओं का ऐसा बैलेंस शीट रहा, जिसमें अध्यात्म, ऊर्जा और बड़े प्रोजेक्ट्स ने खंडवा को वैश्विक मानचित्र पर स्थापित किया, लेकिन बदहाल सड़कें, ओवर ब्रिज जैसे अहम प्रोजेक्ट का अधूरा कार्य और सुस्त परियोजनाओं ने विकास के दावों पर सवाल भी खड़े किए। 2025 को यदि खंडवा की ब्रांडिंग का वर्ष कहा जाए तो गलत नहीं होगा। ओंकारेश्वर में एकात्म धाम और आदि गुरु शंकराचार्य की भव्य प्रतिमा ने जिले को आध्यात्मिक पर्यटन का नया केंद्र बनाया। यह केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए भी संजीवनी साबित हुआ। पर्यटन से जुड़े छोटे व्यवसायों, नाविकों, होटल और व्यापारियों को सीधा लाभ मिला। वहीं नर्मदा के बैकवाटर में आकार ले रहे फ्लोटिंग सोलर प्लांट और सिंगाजी पावर प्लांट की अतिरिक्त इकाई ने खंडवा को 'ग्रीन एनर्जी' और 'पावर हब' के रूप में पहचान दिलाई। यह उपलब्धियां बताती हैं कि जिले में बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने की क्षमता है। लेकिन इसी चमकदार तस्वीर के पीछे एक कड़वी सच्चाई भी है। 2025 में पंधाना और मूंदी जैसी सड़कों ने व्यवस्था की पोल खोल दी। ये सड़कें केवल खराब इंफ्रास्ट्रक्चर का उदाहरण नहीं रहीं, बल्कि जानलेवा साबित हुईं। हादसों में गई जिंदगियां यह सवाल पूछती हैं कि क्या आम आदमी की रोजमर्रा की सुरक्षा और सुविधा प्राथमिकता सूची में कहीं पीछे छूट गई है? कनेक्टिविटी के मोर्चे पर भी खंडवा की रफ्तार असमान रही। इंदौर-खंडवा सिक्स-लेन और नर्मदा ब्रिज जैसे प्रोजेक्ट्स उम्मीद की किरण हैं। यदि ये तय समय पर पूरे होते हैं, तो निमाड़ की कृषि और व्यापार को नई उड़ान मिल सकती है। वहीं देशगांव-रूधी बायपास शहर के भीतर ट्रैफिक दबाव कम करने में अहम भूमिका निभा सकता है। इसके उलट, महू-खंडवा रेल गेज कन्वर्जन की सुस्त चाल जनता के सब्र की परीक्षा ले रही है। वर्षों से 'तारीख पे तारीख' का सिलसिला जारी है।

शहर के भीतर नर्मदा जल शुद्ध पेय जल जैसे दावों और हकीकत के बीच की खाई भी साफ दिखती है। बार बार डेमेज होती पाइप लाइन और जल संकट से योजनाओं के क्रियान्वयन में गंभीरता की कमी है। हालांकि थ्री-आर्म फ्लायओवर और नया निगम भवन जैसे प्रोजेक्ट्स से 2026 में कुछ राहत की उम्मीद जरूर बंधती है। आने वाला साल केवल गड्ढे भरने या अधूरे काम पूरे करने का नहीं, बल्कि विकास की दिशा तय करने का है। सुलगांव-नेपानी ग्रोथ सेंटर जैसे औद्योगिक प्रोजेक्ट यदि जमीन पर उतरते हैं, तो जिले के युवाओं को रोजगार के लिए पलायन नहीं करना पड़ेगा। यही असली विकास होगा–जो आंकड़ों में नहीं, जीवन में बदलाव लाए। कुल मिलाकर, खंडवा विकास की पटरी पर दौड़ रहा है, लेकिन उसकी रफ्तार कहीं तेज तो कहीं बेहद धीमी है। चुनौती यह है कि 2026 में प्रशासन और जनप्रतिनिधि बड़े प्रोजेक्ट्स की चमक के साथ-साथ आम नागरिक की बुनियादी जरूरतों पर भी उतना ही ध्यान दें।

नववर्ष का संकल्प यही होना चाहिए कि विकास केवल फाइलों और उद्घाटनों तक सीमित न रहे, बल्कि सड़क, रेल, सुरक्षा और सुविधा के रूप में हर नागरिक तक पहुंचे। 2026 खंडवा के लिए अवसर भी है और अग्निपरीक्षा भी।

सीएम ने मातृ एवं शिशु आरोग्य केंद्र का निरीक्षण किया

सेवा भारती न्यास द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र की जा रही गतिविधियों की सराहना की

नवभारत न्यूज़।

खंडवा/ओंकारेश्वर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को खंडवा जिले के मोरटक्का में नर्मदा नदी के तट पर स्थित श्री राजराजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में नव वर्ष के अवसर पर सपरिवार दर्शन कर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित नागरिकों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश का तेजी से विकास हो रहा है। मध्यप्रदेश में कृषि विकास की दर लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इस वर्ष को "किसान कल्याण वर्ष" के रूप में मना रही है। उन्होंने कहा कि नर्मदा नदी मध्यप्रदेश की जीवन रेखा है। मां नर्मदा की कृपा से हमारा प्रदेश लगातार समृद्ध हो रहा है, और यहां का कृषि उत्पादन भी लगातार बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने मोरटक्का में स्थित राजराजेश्वरी सेवा भारती न्यास द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में की जा रही गतिविधियों की

सराहना की। उन्होंने राजराजेश्वरी सेवा भारती न्यास द्वारा प्रारंभ "कुपोषण मुक्त भारत अभियान÷ के तहत संचालित मातृ एवं शिशु आरोग्य केंद्र का निरीक्षण किया और वहां उपस्थित गर्भवती व धात्री महिलाओं को पोषण आहार सामग्री वितरित की। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से चर्चा कर आरोग्य केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने राजराजेश्वरी सेवा भारती न्यास द्वारा निर्मित कराए जा रहे वेद विद्यालय के निर्माणाधीन भवन का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कार्यक्रम में कन्या पूजन कर बालिकाओं को उपहार प्रदान किये। इस अवसर पर खंडवा की विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तन्वे, मांधाता विधायक श्री नारायण पटेल, खंडवा की महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव, पुलिस महानिरीक्षक श्री अनुराग, कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार राय सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

ग्राम अटूटखास में "बोरी बंधान" निर्माण के लिए ग्रामीणों ने किया श्रमदान

नवभारत न्यूज़।

खंडवा। खण्डवा जिले में कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता के मार्गदर्शन में ''मिशन अमृत संचय'' अभियान के तहत जल संरक्षण के क्षेत्र में लगातार कार्य कराए जा रहे हैं। इसके तहत नदी नालों में बहते पानी को रोककर आसपास के क्षेत्र का जलस्तर बढ़ाने के उद्देश्य से गांव-गांव में बोरीबंधान संरचनाएं बनाई जा जा रही है। इसी क्रम में पुनासा विकासखंड के ग्राम अटूटखास में बिहारीपुरा मार्ग पर स्थित नाले पर बोरीबंधान संरचना निर्मित की गई। इस अवसर पर ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष एवं सी एम सी एल डी पी पाठ्यक्रम के बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणजनों ने भी श्रमदान किया।

कंठेश्वर महादेव मंदिर में सुंदरकांड पाठ कर नववर्ष 2026 का स्वागत किया

नवभारत न्यूज़।

खण्डवा। सम्मति नगर महिला मंडल द्वारा आज 2026 नव वर्ष के आगमन को कंठेश्वर महादेव मंदिर में सुंदरकांड का पाठ आयोजित कर किया गया। श्रीमती हेमलता पालीवाल ने बताया कि नव वर्ष पर ईश्वर से प्रार्थना है कि यह वर्ष सभी के लिए मंगलमय हो ।इस अवसर पर समस्त महिला मंडल द्वारा सुंदरकांड का पाठ कर भजनों की प्रस्तुति दी। एवं गेम्स शक्ति पाटीदार एवं द्वितीय गौरी यादव रही।

कार्यक्रम में शक्ति पाटीदार नम्रता खंडेलवाल सुनीता महेश्वरी भारती गुप्ता निधि कोटवानी संगीता अग्रवाल मालती सेठी शीला यादव किरण राठौड़ प्रीति यादव निशा यादव गौरी यादव उर्मिला जैन लता जोशी जय श्री सोनी कंचन यादव सहित समस्त महिला मंडल उपस्थित रहा।

का भी आनंद लिया। जिसमें प्रथम

दयाशंकर चौरे ने की मरणोपरांत देहदान की घोषणा

नए वर्ष के प्रथम दिवस मानव सेवा का संकल्प

नवभारत न्यूज़।

खण्डवा। नए वर्ष 2026 के प्रथम दिवस 1 जनवरी को मानव सेवा, परोपकार और सामाजिक चेतना की प्रेरणादायक मिसाल प्रस्तुत करते हुए चिराखदान मल्टी निवासी दयाशंकर चौरे ने मरणोपरांत देहदान की घोषणा की। सक्षम संस्था, लायन्स क्लब खण्डवा एवं लियो क्लब खण्डवा की नेत्रदानङ्कदेहदान एवं अंगदान जनजागृति समिति द्वारा सतत चलाए जा रहे देहदान जागरूकता अभियानों का सकारात्मक प्रभाव अब समाज में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।

सक्षम खण्डवा के अध्यक्ष एवं समिति संयोजक नारायण बाहेती ने जानकारी देते हुए बताया कि दयाशंकर चौरे ने अपने बड़े भाई हरिशंकर चौरे एवं तारकेश्वर चौरे की सहमति से स्वयं घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर कर समिति को सौंपा। यह समिति द्वारा भरा गया 161वाँ देहदान घोषणा पत्र है।

इस अवसर पर लायन्स नेत्रदान-देहदान समिति के सदस्य डॉ. सोमिल जैन, प्रहलाद तिरोले, अनिल बाहेती, सुनील जैन, सुरेंद्रसिंह सोलंकी, डॉ. राधेश्याम पटेल, रनवीरसिंह चावला,

घनश्याम वाधवा, लायन्स अध्यक्ष आशा उपाध्याय, राजीव शर्मा, गांधीप्रसाद गदलें, राजीव मालवीय, तरुण झंवर, कमल नागपाल, लियो अपूर्व उपाध्याय, सुमीत परिहार, अर्पित बाहेती, चंचल गुप्ता, सनत श्रीमाली सहित लायन्स क्लब खण्डवा, लियो क्लब खण्डवा, सक्षम संस्था एवं महर्षि दधीचि समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे। देहदान की घोषणा करते हुए दयाशंकर चौरे ने कहा कि मृत्यु के बाद शरीर को जलाकर नष्ट करने से बेहतर है कि वह किसी के जीवन में उपयोगी बने।

हमारे नेत्र किसी को दृष्टि दे सकते हैं और देह मेडिकल विद्यार्थियों को शिक्षा देकर समाज के लिए अच्छे डॉक्टर तैयार कर सकती है,समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि समिति संयोजक नारायण बाहेती के मार्गदर्शन में अब तक समिति के सहयोग से 19 देह मेडिकल कॉलेज खण्डवा को सुपुर्द की जा चुकी हैं तथा 519 दिवंगत व्यक्तियों के नेत्रदान कराए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा देहदान एवं अंगदान को प्रोत्साहित करने हेतु यह घोषणा की गई है कि मरणोपरांत देहदान करने वाले व्यक्ति को गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा तथा उनके परिजनों को 15 अगस्त एवं 26 जनवरी के जिला स्तरीय समारोहों में सम्मानित किया जाएगा।

सकल गुर्जर समाज ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को सौंपा सात सूत्रीय मांगों का ज्ञापन

भोपाल/खंडवा। सकल गुर्जर समाज के प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधि मंडल ने भोपाल स्थित भाजपा कार्यालय में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से मुलाकात कर समाज के हितों से जुड़ी 7 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रदेश संयोजक रमेश गुर्जर के नेतृत्व और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष व वरिष्ठ समाज सेवी गौरीशंकर मुकाती के सानिध्य में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में कृषि मंत्री एंदल सिंह कंसाना भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। देवनारायण बोर्ड- बोर्ड का पुनर्गठन कर विकास कार्यों के लिए तत्काल राशि जारी करने , सत्ता और संगठन के साथ-साथ मंडल व निगमों में समाज को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाए।

समाज के आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए छात्रावासों का निर्माण हो। इस अवसर पर खंडवा से देवनारायण भक्त मंडल के संस्थापक अध्यक्ष किशोर पटेल के नेतृत्व में शामिल प्रतिनिधि मंडल ने स्थानीय मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने खंडवा के श्री देवनारायण चौक पर भव्य छत्री निर्माण, अष्टधातु की प्रतिमा स्थापना और चौराहे के सौंदर्यीकरण के लिए अलग से पत्र सौंपा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने सभी मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए मुख्यमंत्री से चर्चा करने का आश्वासन दिया। खंडवा के मुद्दे पर उन्होंने विशेष रूप से कहा कि वे वहां के सांसद, विधायक और महापौर से बात कर कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

ये रहे उपस्थित

प्रतिनिधि मंडल में इंदौर, भोपाल, हरदा, जबलपुर, देवास सहित पूरे प्रदेश के पदाधिकारी शामिल हुए। खंडवा जिले से प्रमुख रूप से किशोर पटेल, वरिष्ठ समाज सेवी दयाराम पटेल, गजराज सिंह मंडलोई, दीपक सोलंकी, प्रभु पटेल, राजेश पटेल, नितिन पटेल, डॉ. मंशाराम गुर्जर, मनीष पटेल व आनंद मुकाती सहित अन्य सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

समाधान योजना 2025-26 के प्रथम चरण की अवधि बढ़ी

खंडवा। मध्यप्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 के प्रथम चरण की अवधि एक माह और बढ़ा दी गई है। बकायादार उपभोक्ताओं की सतत भागीदारी और उनके उत्साह को देखते हुए योजना के प्रथम चरण की अवधि अब 31 जनवरी 2026 कर दी गई है। पिछले साल 3 नवंबर से शुरू हुई समाधान योजना 2025-26 में शामिल होकर लाखों बकायादार उपभोक्ताओं ने सौ फीसदी तक छूट का लाभ लिया। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ता योजना के प्रथम चरण में शामिल होकर अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा करके 100 फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं। यह योजना उन बकायादार उपभोक्ताओं के लिए वरदान बनी है, जो सरचार्ज के कारण मूलधन राशि जमा नहीं कर पा रहे थे। अब उन्हें समाधान योजना के प्रथम चरण में सरचार्ज में 60 से लेकर 100 प्रतिशत तक छूट के साथ एकमुश्त अथवा किस्तों में भुगतान करने का विकल्प मिल रहा है।

श्रीमद भागवत कथा अष्टसखामृत महोत्सव ' का शुभारंभ

नवभारत न्यूज़।

खंडवा। श्री दादाजी की नगरी खंडवा गुरुवार को भक्ति के रंग में पूर्णतः रंगी नजर आई। अवसर था मयूर विहार में आयोजित होने वाले 'श्रीमद भागवत कथा अष्टसखामृत महोत्सव' के शुभारंभ का। इस महाआयोजन की शुरुआत भव्य कलश यात्रा के साथ हुई, जिसमें आस्था का ऐसा ज्वार उमड़ा कि पूरा शहर 'राधे-राधे' के जयकारों से गूंज उठा।कार्यक्रम प्रभारी आशीष जायसवाल ने बताया कि यात्रा का शुभारंभ सुबह 11 बजे माता चौक स्थित बिजासन माता मंदिर से हुआ। सबसे पहले %सज धज के बैठी माँ.. मंद मंद मुस्कुराये..% भजन के साथ

बिजासन के पूजन के बाद, 11 वर्षीय बाल व्यास विष्णुप्रिया जी के सानिध्य में यात्रा आगे बढ़ी। सिर पर मंगल कलश धारण किए हजारों की संख्या में मातृशक्ति और ग्वालियर के प्रसिद्ध दयाल बैंड की धुन पर थिरकते श्रद्धालुओं ने वातावरण को उत्सवी बना दिया। ?50 क्विंटल फूलों से महका माताचौक - यात्रा मार्ग में पंजाब कॉलोनी, गोविंद नगर, फ्रेंड्स कॉलोनी, मयूर विहार सहित अन्य स्थानों पर विभिन्न सामाजिक संगठनों और रहवासी संघों द्वारा मंच लगाकर स्वागत किया गया।

कलश यात्रा में करीब 50 क्विंटल फूलों की वर्षा श्रद्धालुओं पर की गई। जगह-जगह भक्तों के लिए ठंडाई, जूस, मिठाई, लड्डू-जलेबी और चॉकलेट का वितरण कर उनकी अगवानी की गई। इस यात्रा में विधायक कंचन तनवे, समाजसेवी, रोटरी क्लब, खंडवा टेंट ऑनर्स एसोसिएशन और विभिन्न समाजों के प्रमुखों ने शामिल होकर व्यास पीठ का पूजन किया।

माताराणी की आराधना की गई। इसके पश्चात मुख्य यजमान ज्योति सतनाम सिंह होरा ने भागवत पुराण को अपने सिर पर धारण किया। भगवान महाकाल, कान्हा जी और माता

कुपोषण निवारण के लिए 'मिशन आंचल' की शुरुआत

नवभारत न्यूज़।

खण्डवा। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता के मार्गदर्शन में जिले में कुपोषण निवारण के लिए "मिशन आंचल" अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत शासकीय प्रयासों के साथ-साथ जनसहयोग एवं जनभागीदारी से भी बच्चों का कुपोषण दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। बुधवार को पंधाना में महिला बाल विकास परियोजना कार्यालय में मिशन आँचल अभियान के अंतर्गत कुपोषण के निवारण हेतु चयनित पोषण बापू और पोषण मैयाओं के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रतना शर्मा ने बताया कि 5 वर्ष तक के छोटे बच्चों में कुपोषण निवारण के लिए पोषण बापू और पोषण मैया को प्रशिक्षित किया गया है। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर श्री मोहित करोड़ी, परियोजना अधिकारी श्री रूपसिंह सिसौदिया श्रीमती भावना पटेल ब्लॉक समन्वयक, आयुष विभाग से श्रीमती सारिका मुजाल्दे एवं उनकी टीम द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर कुपोषित बच्चों को गोद लेने वाले पोषण मैया एवं पोषण बापू को सम्मानित किया गया और गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को पोषण सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम के अंत में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा उपस्थित पोषण मैया एवं पोषण बापू एवं आंगनवाडी कार्यकर्ताओ को शपथ दिलाई गई।

आस्था | **86वीं शंकर व्याख्यानमाला संपन्न**

ईशावास्यमिदं सर्वं पर स्वामी प्रणवानंद सरस्वती का गूढ़ वैदांतिक विवेचन

नवभारत न्यूज़।

ओंकारेश्वर. आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, संस्कृति विभाग, मप्र शासन द्वारा 86 वीं 'शंकर व्याख्यानमाला' के अंतर्गत मार्कंडेय संन्यास आश्रम, ओंकारेश्वर के परमाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी प्रणवानंद सरस्वती का विशेष व्याख्यान हुआ।

इस अवसर पर उन्होंने ईशावास्योपनिषद के प्रथम मंत्र "ईशावास्यमिदं सर्वं " की विस्तृत व्याख्या करते हुए अद्वैत वेदांत के गूढ़ रहस्यों पर प्रकाश डाला। ईश्वर की सर्वव्यापकता पर प्रकाश डालते हुए स्वामी प्रणवानंद ने बताया कि इस संपूर्ण जगत में जो कुछ भी गतिशील

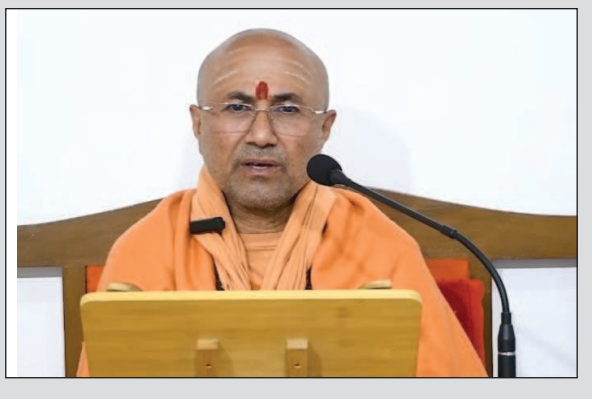

या स्थिर है, वह सब ईश्वर से व्याप्त है। उन्होंने "तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा" की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य को संसार की वस्तुओं का उपभोग राग-द्वेष से मुक्त होकर और त्याग की भावना के साथ करना चाहिए । बिना त्याग के आत्म-तत्व की उपलब्धि संभव नहीं है।

उन्होंने स्पष्ट किया गया कि जहाँ पहला मंत्र निवृत्ति मार्ग (सन्यास और ज्ञान) की बात करता है, वहीं दूसरा मंत्र उन लोगों के लिए कर्म मार्ग का मार्ग प्रशस्त करता है जो अभी संसार में सक्रिय हैं। कर्म के माध्यम से ही अंतःकरण शुद्ध होती है और व्यक्ति ज्ञान का अधिकारी बनता है। स्वामी जी ने उदहारण के माध्यम से संदेश दिया कि धन और भौतिक संपदा किसी की स्थायी संपत्ति नहीं है, अतः किसी को धन का लोभ नहीं करना चाहिए।

अद्वैत की अनुभूति को उदाहरणों (जैसे मिट्टी और बर्तन, स्वर्ण और आभूषण) के माध्यम से समझाया कि कार्य अपने कारण से भिन्न नहीं होता।

आत्म-साक्षात्कार के लिए श्रवण, मनन और निदिध्यासन अनिवार्य

स्वामी जी ने अंत में जोर देते हुए कहा कि आत्म-साक्षात्कार के लिए श्रवण, मनन और निदिध्यासन अनिवार्य है। जब तक साधक स्वयं को शरीर मानने के भ्रम से मुक्त नहीं होता, तब तक वह उस व्यापक सत्य को अनुभव नहीं कर सकता। ज्ञात हो कि प्रति माह शंकर व्याख्यानमाला का आयोजन नियमित किया जाता है, जिसमें अद्वैत परम्परा के ही एक संन्यासी द्वारा गूढ वैदान्तिक विषय पर प्रकाश डाला जाता है।

आज 3 घंटे बिजली कटौती

खंडवा. खंडवा शहर संभाग के अंतर्गत 33/11 केवी इंदौर रोड उपकेंद्र से जुड़े 11 केवी इंडस्ट्रियल फीडर पर आवश्यक मेंटेनेंस कार्य के चलते शुक्रवार 2 जनवरी 2026 को बिजली सप्लाई प्रभावित रहेगी। इस दौरान सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक फीडर से जुड़े क्षेत्रों में विद्युत प्रदाय बंद रहेगा। बिजली कंपनी के सहायक यंत्री (मेंटेनेंस) महेश कुमार सोलंकी ने बताया कि निर्धारित समय में मेंटेनेंस का आवश्यक कार्य किया जाएगा। इसके चलते गोगा मंदिर क्षेत्र, सोनी हॉस्पिटल, एचडीएफसी बैंक, दैनिक भास्कर कार्यालय, ईदगाह सहित आसपास के इलाकों में बिजली नहीं रहेगी।